



GK/GS का महा संग्राम

ECONOMICS

गरीबी एवं बेरोजगारी
(POVERTY & UNEMPLOYMENT)

हमारे **TOPIC EXPERT** के साथ

देखें शाम 07:00 बजे



LIVE

BY GS GURU



गरीबी और बेरोजगारी

POVERTY & UNEMPLOYMENT



POVERTY

गरीबी

- Poverty is the lack of basic human needs, such as clean water, nutrition, health care, education, clothing and shelter, because of the inability to afford them. This is also referred to as absolute poverty or destitution.
- गरीबी, बुनियादी मानव की जरूरतों जैसे कि साफ पानी, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कपड़े और आश्रय, उन्हें वहन करने में असमर्थता के कारण, की कमी है। इसे पूर्ण गरीबी या अभाव के रूप में भी जाना जाता है।



POVERTY

गरीबी

- According to World Bank, Poverty is pronounced deprivation in well-being, and comprises many dimensions. It includes low incomes and the inability to acquire the basic goods and services necessary for survival with dignity.
- विश्व बैंक के अनुसार, गरीबी को आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में कमी कहा जाता है, और इसमें कई आयाम शामिल होते हैं। इसमें कम आय और गरिमा के साथ जीवित रहने के लिए आवश्यक बुनियादी वस्तुओं और सेवाओं को हासिल करने में असमर्थता शामिल है।



Types of Poverty

गरीबी के प्रकार

- Absolute Poverty: A condition where household income is below a necessary level to maintain basic living standards (food, shelter, housing). This condition makes it possible to compare between different countries and also over time.
- पूर्ण गरीबी: एक ऐसी स्थिति जहां बुनियादी जीवन स्तर (भोजन, आश्रय, आवास) को बनाए रखने के लिए घरेलू आय आवश्यक स्तर से कम है। यह स्थिति विभिन्न देशों के बीच और समय के साथ तुलना करना संभव बनाती है।



Types of Poverty

गरीबी के प्रकार

- Relative Poverty: It is defined from the social perspective that is living standard compared to the economic standards of population living in surroundings. Hence it is a measure of income inequality.
- Usually, relative poverty is measured as the percentage of the population with income less than some fixed proportion of median income.
- सापेक्ष गरीबी: इसे सामाजिक परिप्रेक्ष्य से परिभाषित किया जाता है जो आसपास रहने वाली आबादी के आर्थिक मानकों की तुलना में जीवन स्तर है। इसलिए यह आय असमानता का एक उपाय है।
- आमतौर पर, सापेक्ष गरीबी को औसत आय के कुछ निश्चित अनुपात से कम आय वाले जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में मापा जाता है।



Poverty estimation in India

भारत में गरीबी का आकलन

- Poverty estimation in India is carried out by NITI Aayog's task force through the calculation of poverty line based on the data captured by the National Sample Survey Office under the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MOSPI). Poverty line estimation in India is based on the consumption expenditure and not on the income levels.
- सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर गरीबी रेखा की गणना के माध्यम से नीति आयोग की टास्क फोर्स द्वारा भारत में गरीबी का अनुमान लगाया जाता है।
- भारत में गरीबी रेखा का अनुमान उपभोग व्यय पर आधारित है न कि आय के स्तर पर।



Poverty estimation in India

भारत में गरीबी का आकलन

- Poverty is measured based on **consumer expenditure** surveys of the National Sample Survey Organisation. A poor household is defined as one with an expenditure level below a specific poverty line.
- The incidence of poverty is measured by the poverty ratio, which is the ratio of the number of poor to the total population expressed as a percentage. It is also known as head-count ratio.
- गरीबी को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन के **उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षणों** के आधार पर मापा जाता है। एक गरीब परिवार को एक विशिष्ट गरीबी रेखा से नीचे व्यय स्तर वाले परिवार के रूप में परिभाषित किया गया है।
- गरीबी की घटना को गरीबी अनुपात द्वारा मापा जाता है, जो प्रतिशत के रूप में व्यक्त की गई कुल जनसंख्या में गरीबों की संख्या का अनुपात है। इसे हेड-काउंट अनुपात के रूप में भी जाना जाता है।



Line/शरीर

Poverty estimation in India

भारत में गरीबी का आकलन

- Alagh Committee (1979) determined a poverty line based on a minimum daily requirement of 2400 and 2100 calories for an adult in Rural and Urban area respectively.
- Subsequently different committees; Lakdawala Committee (1993), Tendulkar Committee (2009), Rangarajan committee (2012) did the poverty estimation.
- अलग समिति (1979) ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में एक वयस्क के लिए क्रमशः 2400 और 2100 कैलोरी की न्यूनतम दैनिक आवश्यकता के आधार पर गरीबी रेखा निर्धारित की।
- इसके बाद विभिन्न समितियाँ; लकड़ावाला कमेटी (1993), तेंदुलकर कमेटी (2009), रंगराजन कमेटी (2012) ने गरीबी का आकलन किया।



**Poverty
estimation in
India**
**भारत में गरीबी का
आकलन**

- As per the Rangarajan committee report (2014), the poverty line is estimated as Monthly Per Capita Expenditure of Rs 1407 in urban areas and Rs 972 in rural areas.

Q2

- रंगराजन समिति की रिपोर्ट (2014) के अनुसार, गरीबी रेखा का अनुमान शहरी क्षेत्रों में 1407 रुपये और ग्रामीण क्षेत्रों में 972 रुपये प्रति व्यक्ति मासिक व्यय के रूप में लगाया जाता है।

Q1

Q2



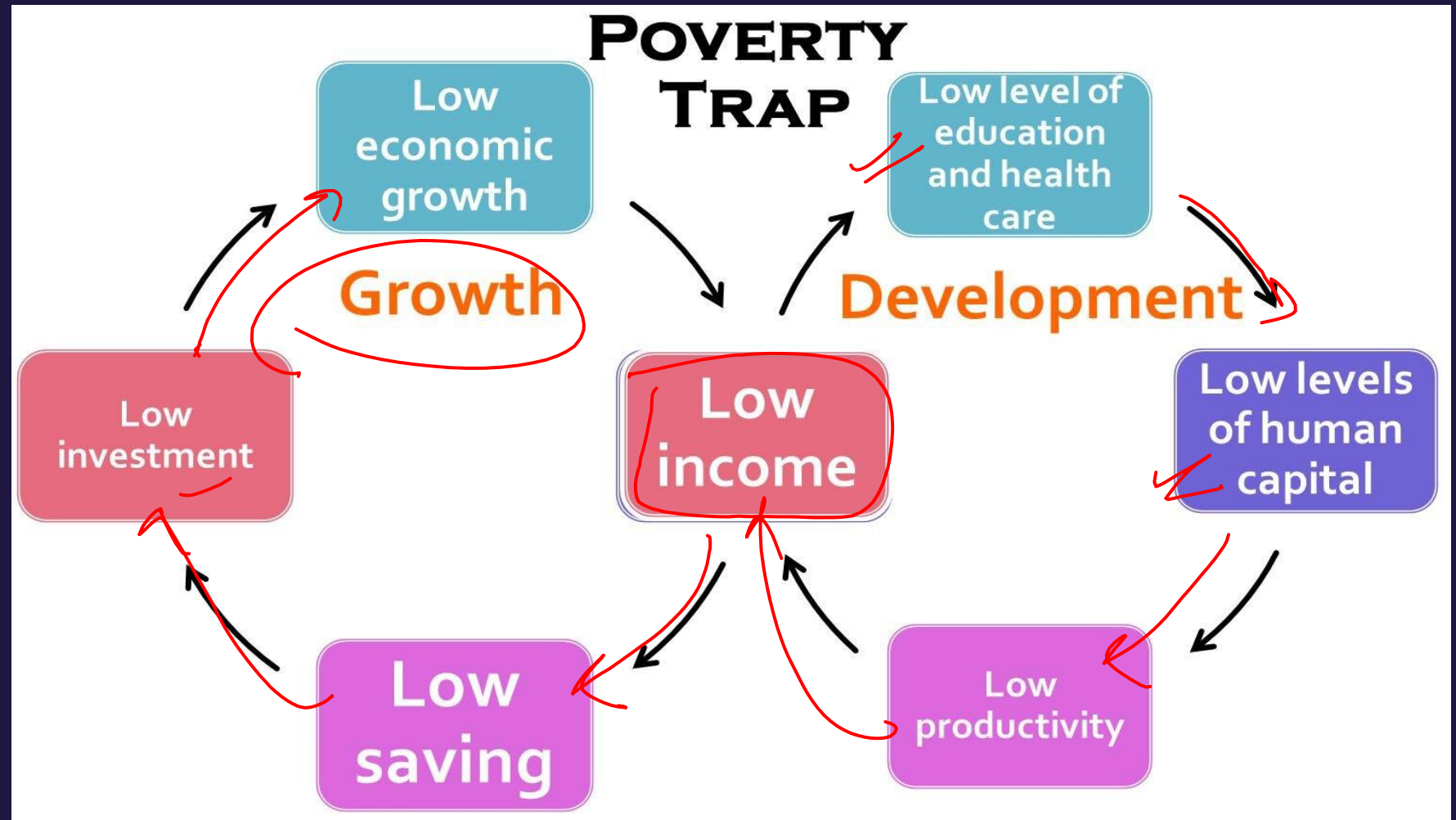
Causes of Poverty in India

भारत में गरीबी के
कारण

- Population Explosion/जनसंख्या विस्फोट
- Climatic Factors/सामाजिक परिस्थिति
- Lack of Capital and Entrepreneurship/पूंजी और उद्यमिता की कमी
- Low Agricultural Productivity /निम्न कृषि उत्पादकता
- Inefficient Resource utilisation /अकुशल संसाधन उपयोग
- Low Rate of Economic Development/आर्थिक विकास की निम्न दर
- Price Rise/कीमत बढ़ना
- Unemployment/बेरोजगारी
- Climatic Factors/जलवायु कारक



Poverty Trap
गरीबी का जाल





Poverty ✓ Alleviation Programs in India

- Integrated Rural Development Programme (IRDP): 1990
- Jawahar Rozgar Yojana/Jawahar Gram Samridhi Yojana
- Rural Housing – Indira Awaas Yojana
- Food for Work Programme
- National Old Age Pension Scheme (NOAPS)
- Annapurna Scheme
- Sampoorna Gramin Rozgar Yojana (SGRY)
- (MGNREGA) 2005
- National Rural Livelihood Mission: Aajeevika (2011)
- National Urban Livelihood Mission
- Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana
- Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana



What is Unemployment? बेरोजगारी क्या है?

- Unemployment occurs when a person who is actively searching for employment is unable to find work.
- Unemployment is often used as a measure of the health of the economy.
- NSO defines employment and unemployment on the following activity statuses of an individual:
 - बेरोजगारी तब होती है जब एक व्यक्ति जो सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहा है उसे काम नहीं मिल रहा है।
 - बेरोजगारी का उपयोग अक्सर अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के उपाय के रूप में किया जाता है।
 - एनएसओ एक व्यक्ति की निम्नलिखित गतिविधि स्थितियों पर रोजगार और बेरोजगारी को परिभाषित करता है:



GS/ GK का महासंग्राम



- Working (engaged in an economic activity) i.e., 'Employed'.
- Seeking or available for work i.e., 'Unemployed'.
- Neither seeking nor available for work.
- The first two constitute the labour force and unemployment rate is the percent of the labour force that is without work.

What is

Unemployment?

बेरोजगारी क्या है?

- Unemployment rate = $\left(\frac{\text{Unemployed Workers}}{\text{Total labour force}} \right) \times 100$
- कार्यरत (एक आर्थिक गतिविधि में संलग्न) अर्थात्, 'नियोजित'।
- काम की तलाश में या काम के लिए उपलब्ध यानी 'बेरोजगार'।
- न तो काम की तलाश है और न ही काम के लिए उपलब्ध है।
- पहले दो श्रम शक्ति का गठन करते हैं और बेरोजगारी दर उस श्रम शक्ति का प्रतिशत है जो बिना काम के है।
- बेरोजगारी दर = $\left(\frac{\text{बेरोजगार श्रमिक}}{\text{कुल श्रम शक्ति}} \right) \times 100$



Different Types of Unemployment

विभिन्न प्रकार की
बेरोजगारी

Disguised Unemployment:

- It is a phenomenon wherein more people are employed than actually needed.
- It is primarily traced in the agricultural and the unorganised sectors of India.

प्रच्छन्न बेरोजगारी:

- यह एक ऐसी घटना है जिसमें वास्तव में जरूरत से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलता है।
- यह मुख्य रूप से भारत के कृषि और असंगठित क्षेत्रों में पाया जाता है।



Different Types of Unemployment

विभिन्न प्रकार की बेरोजगारी

Seasonal Unemployment:

- It is an unemployment that occurs during certain seasons of the year.
- Agricultural labourers in India rarely have work throughout the year.

मौसमी बेरोजगारी:

- यह एक बेरोजगारी है जो वर्ष के कुछ मौसमों के दौरान होती है।
- भारत में खेतिहर मजदूरों के पास साल भर शायद ही कभी काम होता है।



Different Types of Unemployment

विभिन्न प्रकार की बेरोजगारी

✓ Structural Unemployment:

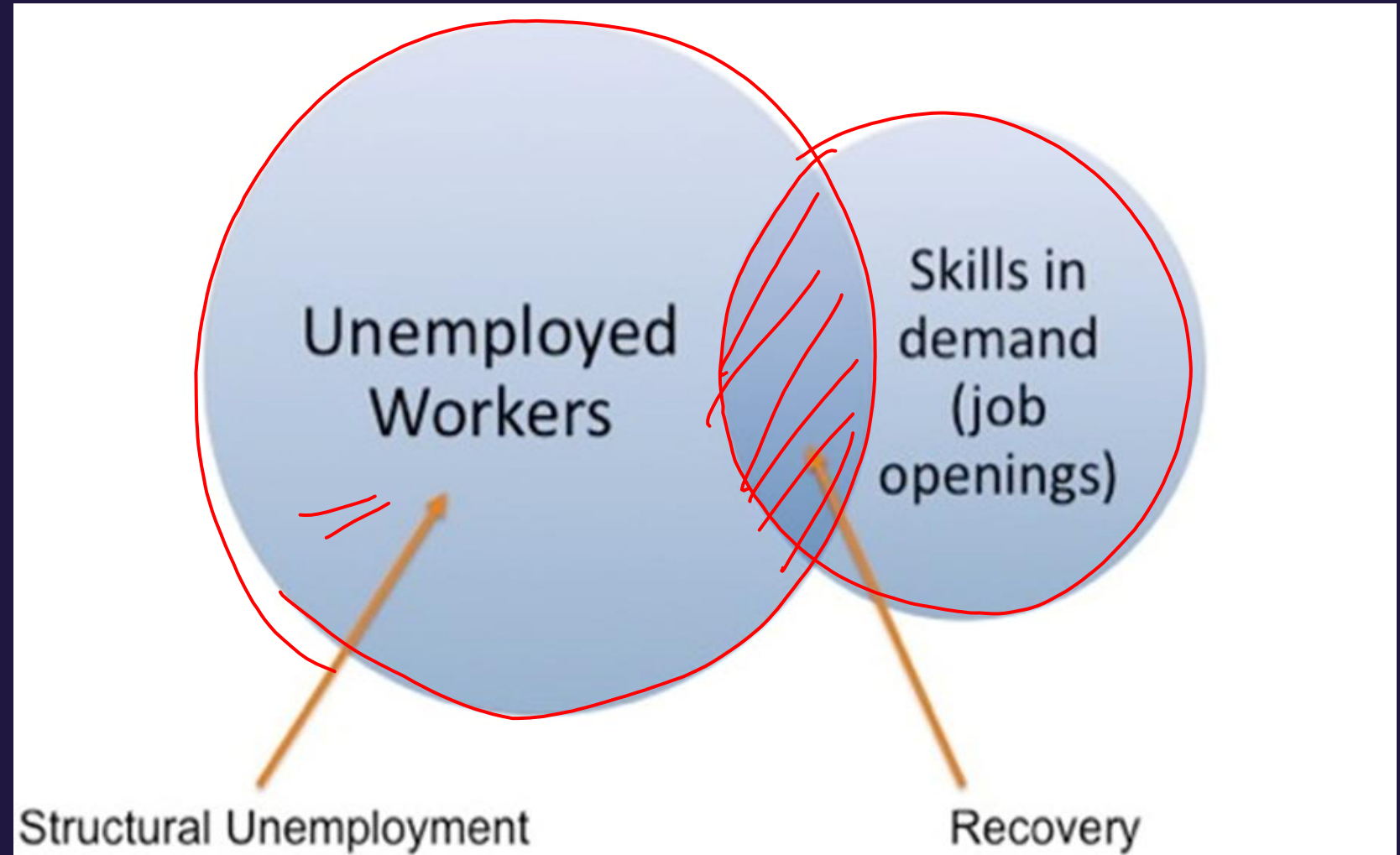
- It is a category of unemployment arising from the mismatch between the jobs available in the market and the skills of the available workers in the market.
- Many people in India do not get jobs due to lack of requisite skills and due to poor education level, it becomes difficult to train them.

✓ संरचनात्मक बेरोजगारी:

- यह बाजार में उपलब्ध नौकरियों और बाजार में उपलब्ध श्रमिकों के कौशल के बीच बेमेल से उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी की एक श्रेणी है।
- भारत में कई लोगों को आवश्यक कौशल की कमी के कारण नौकरी नहीं मिलती है और शिक्षा का स्तर खराब होने के कारण उन्हें प्रशिक्षित करना मुश्किल हो जाता है।



**Structural
Unemployment**
संरचनात्मक
बेरोजगारी





Different Types of Unemployment

विभिन्न प्रकार की बेरोजगारी

Cyclical Unemployment:

- It is a result of the business cycle, where unemployment rises during recessions and declines with economic growth.
- Cyclical unemployment figures in India are negligible. It is a phenomenon that is mostly found in capitalist economies.

चक्रीय बेरोजगारी:

- यह व्यापार चक्र का परिणाम है, जहां मंदी के दौरान बेरोजगारी बढ़ती है और आर्थिक विकास के साथ गिरावट आती है।
- भारत में चक्रीय बेरोजगारी के आंकड़े नगण्य हैं। यह एक ऐसी घटना है जो ज्यादातर पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में पाई जाती है।



Different Types of Unemployment विभिन्न प्रकार की बेरोजगारी

Frictional Unemployment/प्रतिरोधात्मक रोजगार:

- The Frictional Unemployment also called as Search Unemployment, refers to the time lag between the jobs when an individual is searching for a new job or is switching between the jobs.
- In other words, an employee requires time for searching a new job or shifting from the existing to a new job, this inevitable time delay causes frictional unemployment.
- फ्रिक्शनल बेरोजगारी जिसे खोज बेरोजगारी भी कहा जाता है, नौकरियों के बीच समय अंतराल को संदर्भित करता है जब कोई व्यक्ति नई नौकरी की तलाश कर रहा होता है या नौकरियों के बीच स्विच कर रहा होता है।
- दूसरे शब्दों में, एक कर्मचारी को नई नौकरी खोजने या मौजूदा से नई नौकरी में स्थानांतरित करने के लिए समय की आवश्यकता होती है, यह अपरिहार्य समय की देरी घर्षण बेरोजगारी का कारण बनती है।



GS/ GK का महासंग्राम



Live/Share
Q.1 Which organization carries out the survey for determining the poverty line?
गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए कौन सा संगठन सर्वेक्षण करता है?



- a) RBI/भारतीय रिजर्व बैंक
- b) NSSO/एनएसएसओ
- c) NITI Aayog/नीति आयोग
- d) None of the above/उपरोक्त में से कोई नहीं



GS/ GK का महासंग्राम



Q.2 Rangarajan Committee, 2014 defined poverty line for 2011 - 12 at Rs. _____ per capita per day consumption expenditure for urban areas and Rs. _____ per capita per day for rural areas.

रंगराजन समिति, 2014 ने 2011-12 के लिए गरीबी रेखा को रु. _____ प्रति व्यक्ति प्रति दिन शहरी क्षेत्रों के लिए खपत व्यय और रुपये। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रति व्यक्ति प्रति दिन _____।



(a) Rs. 50 and Rs. 35

(b) Rs. 47 and Rs. 32

(c) Rs. 55 and Rs.40

(d) Rs. 60 and Rs. 45



GS/ GK का महासंग्राम



- Due to widespread criticism of Tendulkar Committee approach as well as due to changing times and aspirations of people of India, Rangarajan Committee was set up in 2012. This Committee submitted its report in June 2014. This committee raised the daily per capita expenditure to Rs 47 for urban and Rs 32 for rural from Rs 32 and Rs 26 respectively at 2011-12 prices. (Q3)

- तेंदुलकर समिति के दृष्टिकोण की व्यापक आलोचना के साथ-साथ बदलते समय और भारत के लोगों की आकांक्षाओं के कारण 2012 में रंगराजन समिति की स्थापना की गई थी। इस समिति ने जून 2014 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस समिति ने दैनिक प्रति व्यक्ति व्यय को बढ़ाकर 47 रुपये कर दिया। 2011-12 की कीमतों पर शहरी के लिए और 32 रुपये ग्रामीण के लिए क्रमशः 32 रुपये और 26 रुपये। (Q3)



GS/ GK का महासंग्राम



Q.3 Poverty estimation in India is carried out by _____.

✓ भारत में गरीबी का आकलन _____ द्वारा किया जाता है।



- (a) NITI Aayog's task force
- (b) CSO
- (c) NSSO
- (d) RBI



GS/ GK का महासंग्राम



- Poverty estimation in India is carried out by NITI Aayog's task force through the calculation of the poverty line based on data captured by the National Sample Survey Office under the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MOSPI).
- Basis of poverty line estimation - 'consumption expenditure'.
- भारत में गरीबी का अनुमान सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा प्राप्त आंकड़ों के आधार पर गरीबी रेखा की गणना के माध्यम से नीति आयोग की टास्क फोर्स द्वारा किया जाता है।
- गरीबी रेखा अनुमान का आधार - 'उपभोग व्यय'।



GS/ GK का महासंग्राम



Committee	Year	Important outcome/recommendation
Alagh Committee	1979	• This committee determines a poverty line based on a minimum daily requirement of 2400 and 2100 calories for an adult in Rural and Urban area respectively.
Ladawala Committee	1993	• This committee used the CPI-IL (Consumer Price Index for Industrial Laborers) and CPI-AL (Consumer Price Index for Agricultural Laborers) for estimation of the poverty line.
Tendulkar Committee	2009	• This committee adopted ' cost of living ' as the basis for identifying poverty
Rangarajan Committee	2012	• The poverty line is estimated as Monthly Per Capita Expenditure of Rs.1407 in urban areas and Rs. 972 in the rural area



GS/ GK का महासंग्राम



Q.4 MGNREGA provides legal guarantee for employment at minimum wages to adult members of a household in a financial year for at least _____.

मनरेगा कम से कम _____ के लिए एक वित्तीय वर्ष में एक परिवार के वयस्क सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी पर रोजगार के लिए कानूनी गारंटी प्रदान करता है।



- (a) 120 days
- (b) 100 days
- (c) 90 days
- (d) 80 days



GS/ GK का महासंग्राम



- The primary objective of MGNREGA (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act) is to guarantee 100 days of employment in every financial year to adult members of any rural household willing to do public work-related unskilled manual work.
- मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) का प्राथमिक उद्देश्य सार्वजनिक कार्य से संबंधित अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देना है।



Q.5 Which of the following Committees recommended a poverty line based on nutritional requirements exclusively?

निम्नलिखित में से किस समिति ने विशेष रूप से पोषण संबंधी आवश्यकताओं के आधार पर गरीबी रेखा की सिफारिश की?



- (a) Alagh Committee/अलघ समिति
- (b) Lakdawala Committee/लकड़ावाला समिति
- (c) Tendulkar Committee/तेंदुलकर समिति
- (d) Rangarajan Committee/रंगराजन समिति



GS/ GK का महासंग्राम



- Alagh Committee was a task force constituted by the Planning Commission under the chairmanship of YK Alagh.
- It recommended and constructed a poverty line for rural and urban areas on the basis of nutritional requirements and related consumption expenditure.
- अलघ समिति वाईके अलघ की अध्यक्षता में योजना आयोग द्वारा गठित एक टास्क फोर्स थी।
- इसने पोषण संबंधी आवश्यकताओं और संबंधित उपभोग व्यय के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए गरीबी रेखा की सिफारिश और निर्माण किया।



GS/ GK का महासंग्राम



Q.6 Unemployment and poverty estimates in India are based on _____.

भारत में बेरोजगारी और गरीबी का अनुमान _____ पर आधारित है।



(a) NSSO household consumption expenditure survey /
एनएसएसओ घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण

(b) CSO household consumption expenditure survey/सीएसओ
घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण

(c) Planning Commission's household consumption
expenditure survey /योजना आयोग का घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण

(d) NSSO family income survey/एनएसएसओ परिवार आय सर्वेक्षण



GS/ GK का महासंग्राम



- National Sample Survey Office (NSSO) carried out poverty estimates based on a large sample survey of household consumption expenditure of Indian families at an interval of approximately five years. NSSO under the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MOSPI) is the unit of NITI Aayog for the Poverty estimation in India.
- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) ने लगभग पाँच वर्षों के अंतराल पर भारतीय परिवारों के घरेलू उपभोग व्यय के एक बड़े नमूना सर्वेक्षण के आधार पर गरीबी का अनुमान लगाया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के तहत NSSO भारत में गरीबी के आकलन के लिए नीति आयोग की इकाई है।



GS/ GK का महासंग्राम



Q.7 Which committee was set up to review the concept of Poverty Line?

गरीबी रेखा की अवधारणा की समीक्षा के लिए किस समिति का गठन किया गया था?

Urlee



- (a) Suresh Tendulkar Committee / सुरेश तेंदुलकर समिति
- (b) Lakdawala Committee / लकड़ावाला समिति
- (c) Wanchoo Committee / वांचू समिति
- (d) Dutt Committee / दत्त समिति



GS/ GK का महासंग्राम



- 2005 में गरीबी रेखा की अवधारणा की समीक्षा के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति का गठन किया गया था।
- समिति ने कैलोरी मॉडल से हटकर सिफारिश की।
- लकड़ावाला समिति का गठन भारत में गरीबों के अनुपात और संख्या के अनुमान के पद्धतिगत और कम्प्यूटेशनल पहलुओं पर विचार करने के लिए किया गया था।
- वांचू समिति का गठन पिछड़े क्षेत्रों के औद्योगिक विकास को देखने और इन क्षेत्रों में उद्योगों के लिए वित्तीय और वित्तीय प्रोत्साहनों की सिफारिश करने के लिए किया गया था।
- दत्त समिति का गठन भारत में लाइसेंस प्रणाली की कार्यप्रणाली की जांच के लिए किया गया था।



GS/ GK का महासंग्राम



Q.8 Disguised unemployment in India is mainly related to-

भारत में छुपी बेरोजगारी मुख्य रूप से किस क्षेत्र में है ?

S.S.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-1) 29 अगस्त, 2016 (I-पाली)



(a) Agriculture sector / कृषि क्षेत्र

(b) Rural Area/ग्रामीण क्षेत्र

(c) Factory sector / फैक्टरी क्षेत्र

(d) Urban Area/शहरी क्षेत्र



GS/ GK का महासंग्राम



- प्रायः कृषि में उत्पादन इष्टतम स्तर को प्राप्त करने के लिए जितने लोगों की आवश्यकता होती है, उससे अधिक लोग कृषि में लगे रहते हैं। ये ऐसे लोग होते हैं, जिन्हें यदि कृषि क्षेत्र से बाहर कर दिया जाए, तो कृषि से प्राप्त कुल उत्पादन में कोई कमी नहीं होगी। यह देखने से श्रम में तो लगे रहते हैं लेकिन वास्तव में रोजगार में नहीं होते हैं, क्योंकि इनके श्रम की सीमांत उत्पादकता शून्य होती है। अतः ऐसे श्रम को प्रच्छन्न या छुपी हुई बेरोजगारी कहते हैं। भारतीय कृषि क्षेत्र की यह सबसे विचित्र व गंभीर समस्या है।



GS/ GK का महासंग्राम



Q.9 Generally people engaged in which activity face seasonal and disguised unemployment?

आमतौर पर किस गतिविधि में लगे लोग मौसमी तथा छिपी बेरोजगारी का सामना करते हैं?

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-I) 14 अक्टूबर, 2017 (II- पाली)



(a) Service/सेवा

(b) Agriculture / कृषि

(c) Manufacturing/विनिर्माण

(d) Construction/निर्माण



GS/ GK का महासंग्राम



Q.10 Which type of unemployment is generally seen in urban areas?

शहरी क्षेत्रों में आमतौर पर किस प्रकार की बेरोजगारी दिखाई देती है ?

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-I) 14 अक्टूबर, 2017 (II- पाली)



- (a) educated unemployment शिक्षित बेरोजगारी
- (b) seasonal unemployment/मौसमी बेरोजगारी
- (c) disguised unemployment/प्रच्छन्न बेरोजगारी
- (d) none of these/इनमें से कोई नहीं



GS/ GK का महासंग्राम



- शिक्षित बेरोजगारी और अप्रशिक्षित श्रम बेरोजगारी को खुली बेरोजगारी में शामिल किया जाता है। काम की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन भारत में खुली बेरोजगारी (Open Unemployment) का प्रायः देखा जाने वाला एक उदाहरण है।
- Educated unemployment and unskilled labor unemployment are included in open unemployment. Migration from rural areas to urban areas in search of work is a frequently seen example of open unemployment in India.



GS/ GK का महासंग्राम



Q.11 Disguised unemployment is also known by what other name?

प्रच्छन्न बेरोजगारी को और किस नाम से भी जाना जाता है ?

SS.C. ऑनलाइन स्नातक स्तरीय (T-I) 9 अगस्त, 2017 (II - पाली)



(a) under employment/अल्प रोजगार

(b) conflict unemployment/संघर्ष संबंधी बेरोजगारी

(c) Seasonal unemployment/ मौसमी बेरोजगारी

(d) Cyclical unemployment/ चक्रीय बेरोजगारी



GS/ GK का महासंग्राम



Q.12 _____ unemployment occurs when people are not able to get employment in certain months of the year.

 बेरोजगारी तब होती है, जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

S.S.C. ऑनलाइन MTS (T-I) 21 सितंबर, 2017 (II- पाली)



- (a) seasonal/ मौसमी
- (b) disguised/ प्रच्छन्न
- (c) educated/ शिक्षित
- (d) illiterate/ अशिक्षित



GS/ GK का महासंग्राम



- मौसमी बेरोजगारी तब होती है, जब लोग वर्ष के कुछ महीनों में रोजगार प्राप्त नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार की बेरोजगारी कृषि क्षेत्र में पाई जाती है। कृषि में लगे लोगों को कृषि की जुताई, बुवाई, कटाई आदि कार्यों के समय तो रोजगार मिलता है, लेकिन जैसे ही ये कार्य संपन्न होते हैं, तो कृषि में लगे लोग बेरोजगार हो जाते हैं। जबकि प्रच्छन्न बेरोजगारी में कुछ लोगों की उत्पादकता शून्य होती है अर्थात् यदि इन लोगों को उस काम से हटा भी लिया जाए, तो भी उत्पादन में कोई अंतर नहीं आएगा।



GS/ GK का महासंग्राम



Q.13 Unemployment resulting from industrial reorganization, usually caused by technological change rather than by fluctuations in supply or demand, is called—
औद्योगिक पुनर्गठन से उत्पन्न हुई बेरोजगारी आमतौर पर, आपूर्ति या मांग में उतार-चढ़ाव की बजाय प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के कारण होती है, उसे कहा जाता है-

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 22 जनवरी, 2017 (II- पाली)



- (a) Structural unemployment/ संरचनात्मक बेरोजगारी
- (b) Frictional unemployment/ प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी
- (c) Seasonal unemployment/ मौसमी बेरोजगारी
- (d) Cyclical unemployment/ चक्रीय बेरोजगारी



GS/ GK का महासंग्राम



- उत्पादन प्रक्रिया में परिवर्तन या तकनीकी परिवर्तन या फिर औद्योगिक पुनर्गठन से उत्पन्न हुई बेरोजगारी संरचनात्मक बेरोजगारी कहलाती है। संरचनात्मक बेरोजगारी दीर्घकालीन होती है। भारत में पाई जाने वाली बेरोजगारी संरचनात्मक है, जबकि बाजार की दशाओं में परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी घर्षणात्मक (Frictional) बेरोजगारी कहलाती है।
- Unemployment resulting from change in production process or technological change or industrial reorganization is called structural unemployment. Structural unemployment is long term. The unemployment found in India is structural, while the unemployment arising due to change in market conditions is called frictional unemployment.



GS/ GK का महासंग्राम



Q.14 Unemployment that arises when there is a general downturn in business activity is known as _____.

वह बेरोजगारी तब बढ़ती है जब वहां व्यावसायिक गतिविधि में एक सामान्य मंदी होती है, तो उसे _____ के रूप में जाना जाता है।



S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 15 जनवरी, 2017 (II- पाली)

- (a) Structural unemployment/संरचनात्मक बेरोजगारी
- (b) Frictional unemployment/प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी
- (c) Cyclical unemployment/चक्रीय बेरोजगारी
- (d) Disguised unemployment / प्रच्छन्न बेरोजगारी



GS/ GK का महासंग्राम



- चक्रीय या मांग में कमी के कारण बेरोजगारी तब होती है, जब अर्थव्यवस्था को कम श्रम शक्ति की आवश्यकता होती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की समग्र मांग में संपूर्ण देश में कमी होती है, रोजगार कम हो जाता है और उसी के अनुसार बेरोजगारी में वृद्धि होती है। चक्रीय बेरोजगारी अवसाद अथवा मंदी में व्यापक चक्रों के कारण होती है।
- Cyclical or low demand unemployment occurs when the economy needs less of the labor force. When there is a decrease in the aggregate demand for goods and services in the country as a whole, employment decreases and unemployment increases accordingly. Cyclical unemployment is caused by extensive cycles of depression or recession.



GS/ GK का महासंग्राम



Q.15 _____ is the unemployment which exists in any economy due to people being in the process of moving from one job to another.

✓ वह बेरोजगारी है, जो लोगों द्वारा एक काम से दूसरे काम में जाने की प्रक्रिया में होने की वजह से किसी भी अर्थव्यवस्था में मौजूद होती है।

S.S.C. ऑनलाइन CHSL (T-I) 20 जनवरी, 2017 (II- पाली)



- (a) Seasonal Unemployment / मौसमी बेरोजगारी
- (b) Cyclical Unemployment/चक्रीय बेरोजगारी
- (c) Frictional Unemployment / प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी
- (d) Structural Unemployment/संरचनात्मक बेरोजगारी



GS/ GK का महासंग्राम



- चक्रीय या मांग में कमी के कारण बेरोजगारी तब होती है, जब अर्थव्यवस्था को कम श्रम शक्ति की आवश्यकता होती है। जब वस्तुओं और सेवाओं की समग्र मांग में संपूर्ण देश में कमी होती है, रोजगार कम हो जाता है और उसी के अनुसार बेरोजगारी में वृद्धि होती है। चक्रीय बेरोजगारी अवसाद अथवा मंदी में व्यापक चक्रों के कारण होती है।
- Cyclical or low demand unemployment occurs when the economy needs less of the labor force. When there is a decrease in the aggregate demand for goods and services in the country as a whole, employment decreases and unemployment increases accordingly. Cyclical unemployment is caused by extensive cycles of depression or recession.



GS/ GK का महासंग्राम



Q.16 How many pairs given above are correctly matched?

Committee	Basis of Poverty/गरीबी का आधार
1. Dandekar and Rath	Basic minimum needs criteria/बुनियादी न्यूनतम आवश्यकता मानदंड
2. Alagh Committee	Nutritional requirements and related consumption expenditure/पोषण संबंधी आवश्यकताएं और संबंधित उपभोग व्यय
3. Lakdawala Committee	Cost of a subsistence/एक निर्वाह की लागत
4. Rangarajan Committee	Minimum standard of living/न्यूनतम जीवन स्तर



4

- (a) Only one pair
- (b) Only two pairs
- (c) Only three pairs
- (d) All four pairs